journalists working in an important Delhi Paper;

(b) if so, the nature of the complaints made; and

(c) the steps taken thereon?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) A letter has been received from an M.P. regarding a news correspondent of the 'Times of India'.

(b) The letter has complained about certain news stories put out by this correspondent and their likely effect on the morale of the readers.

(c) The matter is being examined.

Pakistani Nationals Working in Assam

1685. Shri P. C. Borooah: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that over a thousand Pakistani nationals are still working in the industrial and transport organisations in Assam;

(b) if so, whether any instructions have been issued by Government to eliminate these elements from the border areas; and

(c) whether their visas are being renewed from time to time or they are over-staying their terms permitted under the visas issued to them?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathi): (a) to (c). Information is being collected and will be laid on the Table of the House as soon as it is available.

Unfilled Posts of Assistants and U.D.Cs.

1686. Shri Eswara Reddy:
Shri Warior:
Shri Vasudevan Nair:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of posts of Assistants and Upper Division Clerks lying vacant in various Ministries and Attached Offices of the Government of India participating in the Central Sectt. Scheme as on 1-11-1965;

(b) the reason therefor; and

(c) the steps being taken to fill up those posts?

The Deputy Minister in the Ministry of Home Affairs (Shri L. N. Mishra): (a) to (c). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

12·23 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

COLLISION BETWEEN SAINTHIA-ANDAL LIGHT TRAIN AND A GOODS TRAIN AT PANCHARA ON 28TH NOVEMBER, 1965.

श्री यशपाल सिंह (कैराना): अध्यक्ष महोदय, मैं अविलम्बनीय लोक महत्व के निम्न लिखित विषय की ओर रेलवे मंत्री का ध्यान दिलाना चाहता हूं और प्रार्थना करता हूं कि वह इस बारे में एक वक्तव्य दें :

> "28 नवम्बर, 1965, को पंचरा में साइथिया-उंडाल छोटी गाड़ी और एक माल गाड़ी के बीच टक्कर, जिसके परिणामस्वरूप 29 व्यक्ति घायल हुए।"

रेलवे मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): 28-11-1965 को सुबह लगभग 5 बजकर 50 मिनट पर जब 2 डाउन अंडाल-सैंथिया सवारी गाड़ी पूर्व रेलवे के अंडाल-सैंथिया इकहरी लाइन खण्ड पर स्थित पांचरा स्टेशन की मुख्य लाइन पर दाखिल हुई तो वहां खड़ी एक शंटिंग माल-गाड़ी से टकरा गयी। शंटिंग मालगाड़ी कुछ ही देर पहले उस लाईन पर दाखिल हुई थी।

टक्कर की वजह से सवारी गाड़ी का इंजन पटरी से उत्तर गया। इंजन से लगे तीसरे दर्जे के डिब्बे के आखिरी पैनल को थोड़ा नुक्सान पहुंचा।

30 व्यक्तियों को चोटें पहुंचीं जिनमें में 11 रेल कर्मचारी थे। कहा जाता है कि दो रेल कर्मचारियों सहित तीन आदमियों को सख्त चोटें पहुंचीं ।

सूचना मिलते ही डाक्टरी उपस्करों सहित सहायता गाड़ी तुरन्त दुर्घटना-स्थल को भजी गयी। कुछ स्थानीय डाक्टरों ने भी तुरन्त दुर्घटना-स्थल पर पहुंच कर घायलों की मरहम-पट्टी की। आसनसोल से भी डाक्टरी-यान दुर्घटना-स्थल पर पहुंच गया । आसनसोल मण्डल के रेलवे अधिकारी सड़क के रास्ते दुर्घटना-स्थल के लिए चल पड़े।

जख्मी आदमियों में से 13 को दुघटना-स्थल पर मरहम-पट्टी के बाद छुट्टी दे दी गयी। बाकी 17 आदमियों को आसनसोल, सिडड़ी और अंडाल के अस्पतालों में भेज दिया गया । 9 आदमियों को प्रारम्भिक डाक्टरी उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी । 8 आदमी अभी अस्पताल में हैं और उनकी हालत में सुधार हो रहा है ।

सख्त जख्मी आदमियों को अनुग्रह के रूप में रकम देने की व्यवस्था की गयी है ।

कलकत्ता स्थित रेल सुरक्षा के अपर आयुक्त ने दुर्घटना के कारणों की संवैधानिक जांच शुरू कर दी है ।

श्री यशपाल सिंह : बंगाल और बिहार दो प्रदेश हमारे विद्या, बुद्धि और कार्य कौशल के कारण माने जाते हैं, पर इन्हीं दोनों प्रदेशों में ज्यादा एक्सीडेंट होते हैं, इसका क्या कारण है ?

डा० राम सुभग सिंह : विद्या बुद्धि के चलते ही तो दुर्घटना होने के बावजूद भी कोई मरा नहीं ।

Shri S. M. Banerjee (Kanpur): I would like to know whether it is a fact that apart from this accident, the working of this Light Railway, specially this particular line, is so bad that it excites horror than pity and, if so, whether Government propose to nationalise and take over this particular line.

Dr. Ram Subhag Singh: It is not connected with this. But that is a matter which we will consider separately.

श्री हुकम चन्द कछवाय (देवास) : मैं जानना चाहता हूं कि इस एक्सीडेंट में जो लोग सीरियसली जख्मी हुए हैं क्या उनके परिवारों को सूचना दे दी गई है। क्या इस सम्बन्ध में न्यायिक जांच होगी और यदि हां, तो क्या उसकी रिपोर्ट सभा पटल पर रखी जाएगी ।

डा० राम सुभग सिंह : जिन लोगों को कुछ ज्यादा चोट लगी है उनके परिवार वालों को इत्तला दे दी गयी है और उनको दो दो सौ रुपया भी दे दिया गया है। केवल तीन आदमी ऐसे हैं। उनका बहुत अच्छा उपचार किया जा रहा है। जैसा कि मूल प्रश्न के उत्तर में बताया गया इन सब बातों की जांच की जाएगी।

श्री हुकम चन्द कछवाय : क्या उस जांच की रिपोर्ट सभा-पटल पर रखी जाएगी ?

डा० राम सुभग सिंह : रख देंगे।

Shri Linga Reddy (Chikballapur): There was another accident on the 14th of November in the same Railway, brought to the notice of the Government through a Calling Attention Notice. May I know the reason why so many accidents occur in the North-Eastern Railway?

Dr. Ram Subhag Singh: That is not a fact. The accidents have come down.

12.27 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

STATEMENTS SHOWING THE ACTION TAKEN BY GOVERNMENT ON VARIOUS ASSURANCES, PROMISES AND UNDERTAKINGS GIVEN BY MINISTERS

The Minister of Communications and Parliamentary Affairs (Shri Satya